

संपूर्ण महिषासुरमर्दिनि स्तोत्रम्

(Full Mahishasura Mardini Stotram)

श्लोक १

संस्कृत पाठः

अयि गिरिनन्दिनि नन्दितमेदिनि विश्वविनोदिनि नन्दिनुते गिरिवरविन्ध्यशिरोऽधिनिवासिनि
विष्णुविलासिनि जिष्णुनुते ।
भगवति हे शितिकण्ठकुटुम्बिनि भूरिकुटुम्बिनि भूरिकृते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि
रम्यकपर्दिनि शैलसुते ॥ १ ॥

English Transliteration:

Ayi Girinandini Nanditamedini Vishvavinodini Nandinute Girivara Vindhyashiro'dhinivasini
Vishnuvilaasini Jishnu Nute |
Bhagavati He Shitikanthakutumbini Bhurikutumbini Bhurikrite Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 1 ||

शब्द अर्थः

- अयि = हे (संबोधन)
- गिरिनन्दिनि = पर्वत की पुत्री
- नन्दितमेदिनि = पृथ्वी को आनंदित करने वाली
- विश्वविनोदिनि = सम्पूर्ण विश्व को हर्षित करने वाली
- शितिकण्ठकुटुम्बिनि = नीलकंठ शिव की पत्नी
- महिषासुरमर्दिनि = महिषासुर का वध करने वाली
- शैलसुते = पर्वत की पुत्री

हिंदी अर्थ: हे पर्वतपुत्री! जो इस पृथ्वी को आनंदित करती हैं, सम्पूर्ण विश्व को हर्ष प्रदान करती हैं, विन्ध्याचल पर निवास करने वाली, भगवान विष्णु द्वारा पूजित, नीलकंठ शिव की पत्नी — हे देवी! महिषासुर का मर्दन करने वाली, सुंदर जटाधारी, पर्वत-पुत्री — आपकी जय हो।

श्लोक २

संस्कृत पाठः

सुरवरवर्षिणि दुर्धरधर्षिणि दुर्मुखमर्षिणि हर्षरते त्रिभुवनपोषिणि शङ्करतोषिणि किल्बिषमोषिणि
घोषरते ।

दनुजनिरोषिणि दितिसुतरोषिणि दुर्मदशोषिणि सिन्धुसुते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि
रम्यकपर्दिनि शैलसुते ॥ २ ॥

English Transliteration:

Suravara Varshini Durdhara Dharshini Durmukha Marshini Harsha Rate Tribhuvana Poshini
Shankara Toshini Kilbisha Moshini Ghosha Rate |
Danuja Niroshini Diti Suta Roshini Durmada Shoshini Sindhu Sute Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 2 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! जो देवताओं पर कृपा-वर्षा करने वाली, दुर्जन का दमन करने वाली, दुर्मुखों का संहार करने वाली हैं। तीनों लोकों का पोषण करने वाली, शंकर को प्रसन्न करने वाली, पापों का नाश करने वाली — समुद्र-पुत्री, महिषासुरमर्दिनि, आपकी जय हो।

श्लोक ३

संस्कृत पाठ:

अयि जगदम्ब मदम्ब कदम्ब वनप्रियवासिनि हासरते शिखरि शिरोमणि तुङ्गहिमलय शृङ्गनिजालय
मध्यगते ।
मधुमधुरे मधुकैटभगञ्जिनि कैटभभञ्जिनि रासरते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ ३ ॥

English Transliteration:

Ayi Jagadamba Madamba Kadamba Vanapriya Vasini Haasa Rate Shikhari Shiromani Tunga
Himalaya Shringa Nijalaya Madhyagate |
Madhumadhure Madhukaitabha Ganjini Kaitabha Bhanjini Raasa Rate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 3 ||

हिंदी अर्थ: हे जगतमाता! कदंब वन में वास करने वाली, हिमालय के उच्च शिखर पर स्थित अपने आलय में निवास करने वाली, मधु और कैटभ असुरों का नाश करने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक ४

संस्कृत पाठ:

अयि शतखण्ड विखण्डितरुण्ड वितुण्डितशुण्ड गजाधिपते रिपुगजगण्ड विदारणचण्ड
पराक्रमशुण्ड मृगाधिपते ।
निजभुजदण्ड निपातितखण्ड विपातितमुण्ड भटाधिपते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि
रम्यकपर्दिनि शैलसुते ॥ ४ ॥

English Transliteration:

Ayi Shata Khanda Vikhandita Runda Vitundita Shunda Gajadhipate Ripu Gaja Ganda
Vidarana Chanda Parakrama Shunda Mrigadhipate |

**Nija Bhuja Danda Nipatita Khanda Vipatita Munda Bhatadhipate Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 4 ||**

हिंदी अर्थ: हे देवी! जिन्होंने शत्रुओं को सैकड़ों टुकड़ों में विभाजित किया, शत्रु के हाथियों का मस्तक विदारण किया और अपने भुजदंड से शत्रु योद्धाओं को धराशायी किया — आपकी जय हो।

श्लोक ५

संस्कृत पाठ:

**अयि रणदुर्मद शत्रुवधोदित दुर्धरनिर्जर शक्तिभृते चतुरविचार धुरीणमहाशिव दूतकृत प्रमथाधिपते
।**

**दुरितदुरीह दुराशयदुर्मति दानवदुत कृतान्तमते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ ५ ॥**

English Transliteration:

**Ayi Rana Durmada Shatruvadhod ita Durdhara Nirjara Shaktibhrite Chatura Vichara
Dhurina Mahashiva Dutakrita Pramathadhipate |
Durita Duriha Durashaya Durmati Danava Duta Kritanta Mate Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 5 ||**

हिंदी अर्थ: हे देवी! युद्ध में अजेय शक्ति धारण करने वाली, महाशिव के प्रमथगणों की अधिपति, दुष्टों के दुराशय का नाश करने वाली, दानवों के दूत को काल का ग्रास बनाने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक ६

संस्कृत पाठ:

**अयि शरणागत वैरिवधुवर वीरवराभय दायकरे त्रिभुवनमस्तक शूलविरोधि शिरोऽधिकृतामल
शूलकरे ।**

**दुमिदुमितामर धुन्दुभिनादमहोमुखरीकृत दिङ्गकरे जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ ६ ॥**

English Transliteration:

**Ayi Sharanagata Vairi Vadhuvara Vira Varabhaya Dayakare Tribhuvana Mastaka Shula
Virodhi Shiro'dhikritamala Shulakare |
Dumidumitamara Dhundubhi Nada Maho Mukharikrita Dingmakare Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 6 ||**

हिंदी अर्थ: हे देवी! शरणागत भक्तों को अभय देने वाली, त्रिभुवन के समस्त विरोधियों को शूल से भेदने वाली, दिग्मण्डल को दुन्दुभिनाद से गुंजायमान करने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक ७

संस्कृत पाठ:

अयि निजहुङ्कृति मात्रनिराकृत धूम्रविलोचन धूम्रशते समरविशोषित शोणितबीज
समुद्भवशोणित बीजलते ।
शिवशिवशुम्भ निशुम्भमहाहव तर्पितभूत पिशाचरते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ ७ ॥

English Transliteration:

Ayi Nija Hunkruti Matra Nirakrita Dhumra Vilochana Dhumra Shate Samara Vishoshita
Shonita Bija Samudbhava Shonita Bija Late |
Shiva Shiva Shumbha Nishumbha Mahahava Tarpita Bhoota Pishacha Rate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 7 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! अपनी हुंकारमात्र से धूम्रविलोचन असुर का नाश करने वाली, रक्तबीज के रक्त से
उत्पन्न असुरों का भी संहार करने वाली, शुम्भ-निशुम्भ के युद्ध में विजयिनी — आपकी जय हो।

श्लोक ८

संस्कृत पाठ:

धनुरनुषङ्ग रणक्षणसङ्ग परिस्फुरदङ्ग नटत्कटके कनकपिशङ्ग पृषत्कनिषङ्ग रसद्भटशृङ्ग
हताबटुके ।
कृतचतुरङ्ग बलक्षितिरङ्ग घटद्वहुरङ्ग रटद्वटुके जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि शैलसुते
॥ ८ ॥

English Transliteration:

Dhanuranu Shanga Rana Kshana Sanga Parisphurad Anga Natat Katake Kanaka Pishanga
Prishatka Nishanga Rasad Bhata Shrunga Hata Batuke |
Krita Chaturanga Bala Kshiti Ranga Ghadad Bahuranga Ratad Batuke Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 8 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! युद्धभूमि में धनुष धारण करते हुए, स्वर्ण-पीत तीरों से सुसज्जित, चतुरंगिणी सेना को
दिशाएँ गुंजायमान करते हुए युद्ध करने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक ९

संस्कृत पाठ:

सुरललना ततथेयि तथेयि कृताभिनयोदर नृत्यरते कृत कुकुथः कुकुथो गडदादिकताल कुतूहल
गानरते ।
धुधुकुट धुक्कुट धिंधिमित ध्वनि धीर मृदंग निनादरते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ ९ ॥

English Transliteration:

Sura Lalana Tatatheyi Tatatheyi Kritabhinayodara Nritya Rate Krita Kukuthah Kukutho
Gadadika Tala Kutuhala Gana Rate |
Dhudhukuta Dhukkuta Dhimdhimita Dhvani Dhira Mridanga Ninada Rate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 9 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! देवांगनाओं के नृत्य और मृदंग की ध्वनि से युक्त, ताल और गान में प्रसन्न, विजय के पश्चात उल्लास में रत — आपकी जय हो।

श्लोक १०

संस्कृत पाठ:

जय जय जप्य जयेजयशब्द परस्तुति तत्परविश्वनुते झणझणझिञ्झिमि झिङ्कृत
नूपुरशिञ्जितमोहित भूतपते ।
नटित नटार्ध नटी नट नायक नाटितनाट्य सुगानरते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १० ॥

English Transliteration:

Jaya Jaya Japya Jayejaya Shabda Parastuti Tatpara Vishvanute Jhana Jhana Jhinjimi
Jhinkrita Nupura Shinjita Mohita Bhutapate |
Natita Natardha Nati Nata Nayaka Natita Natya Sugana Rate Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 10 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! जिनकी "जय-जय" की ध्वनि से समस्त विश्व गुंजायमान है, जिनके नूपुरों की झनकार से भूतपति मोहित हो जाते हैं, नृत्य और नाट्य में प्रसन्न — आपकी जय हो।

श्लोक ११

संस्कृत पाठ:

अयि सुमनःसुमनःसुमनः सुमनःसुमनोहरकान्तियुते श्रितरजनी रजनीरजनी रजनीरजनी
करवक्त्रवृते ।
सुनयनविभ्रमर भ्रमरभ्रमर भ्रमरभ्रमराधिपते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि शैलसुते
॥ ११ ॥

English Transliteration:

Ayi Sumanah Sumanah Sumanah Sumanah Sumanoharakantiyute Shrita Rajani Rajani
Rajani Rajani Rajani Karavaktra Vrite |
Sunayana Vibhramara Bhramara Bhramara Bhramara Bhramaradhipate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 11 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! पुष्पों की कान्ति से युक्त, चन्द्रमा-सम मुख वाली, नेत्रों की शोभा से भ्रमरों को भी मोहित कर देने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक १२

संस्कृत पाठः

सहितमहाहव मल्लमतल्लिक मल्लितरल्लक मल्लरते विरचितवल्लिक पल्लिकमल्लिक
झिल्लिकभिल्लिक वर्गवृते ।
शितकृतफुल्ल समुल्लसितारुण तल्लजपल्लव सल्ललिते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि
रम्यकपर्दिनि शैलसुते ॥ १२ ॥

English Transliteration:

Sahita Mahahava Malla Matallika Mallita Rallaka Malla Rate Virachita Vallika Pallika
Mallika Jhillika Bhillika Varga Vrite |
Shita Krita Phulla Samullasitaruna Tallaja Pallava Sallalite Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 12 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! महायुद्ध में पराक्रमी योद्धाओं को पराजित करने वाली, वनिका-वल्लरियों और पुष्पित
पल्लवों से सुशोभित, सौंदर्य और शक्ति का अनुपम संगम — आपकी जय हो।

श्लोक १३

संस्कृत पाठः

अविरलगण्ड गलन्मदमेदुर मत्तमतङ्ग जराजपते त्रिभुवनभुषण भूतकलानिधि रूपपयोनिधि
राजसुते ।
अयि सुदतीजन लालसमानस मोहन मन्मथराजसुते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १३ ॥

English Transliteration:

Avirala Ganda Galanmada Medura Matta Matanga Jaraja Pate Tribhuvana Bhushana
Bhoota Kalanidhi Rupa Payonidhi Raja Sute |
Ayi Sudati Jana Lalasa Manasa Mohana Manmatha Raja Sute Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 13 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! मदमत्त हाथियों की पंक्तियों से घिरी, तीनों लोकों की शोभा, सौंदर्य के सागर, मन्मथ
को भी मोहित करने में समर्थ — आपकी जय हो।

श्लोक १४

संस्कृत पाठः

कमलदलामल कोमलकान्ति कलाकलितामल भाललते सकलविलास कलानिलयक्रम
केलिचलत्कल हंसकुले ।
अलिकुलसङ्कुल कुवलयमण्डल मौलिमिलद्वकुलालिकुले जय जय हे महिषासुरमर्दिनि
रम्यकपर्दिनि शैलसुते ॥ १४ ॥

English Transliteration:

Kamala Dalamala Komala Kanti Kala Kalitamala Bhala Late Sakala Vilasa Kalanilaya Krama
Keli Chalat Kala Hamsa Kule |

Ali Kula Sankula Kuvalaya Mandala Mauli Milad Bakulali Kule Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 14 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! कमल-पंखुड़ी-सी कोमल कान्ति से युक्त, विशाल ललाट वाली, हंसों के समूह के साथ विहार करने वाली, नीलकमलों से सुशोभित — आपकी जय हो।

श्लोक १५

संस्कृत पाठ:

करमुरलीरव वीजितकूजित लज्जितकोकिल मञ्जुमते मिलितपुलिन्द मनोहरगुञ्जित रञ्जितशैल
निकुञ्जगते ।

निजगणभूत महाशबरीगण सद्गुणसम्भृत केलितले जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १५ ॥

English Transliteration:

Kara Murali Rava Vijita Kujita Lajjita Kokila Manjumate Milita Pulinda Manohara Gunjita
Ranjita Shaila Nikunjagete |

Nija Gana Bhoota Maha Shabari Gana Sadguna Sambhrita Kelitale Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 15 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! हाथों की मुरली-ध्वनि से कोकिल को भी लज्जित करने वाली, पर्वतीय निकुंज में विहार करने वाली, शबरी-गण से परिवृत — आपकी जय हो।

श्लोक १६

संस्कृत पाठ:

कटितटपीत दुकूलविचित्र मयुखतिरस्कृत चन्द्ररुचे प्रणतसुरासुर मौलिमणिस्फुर दंशुलसन्नख
चन्द्ररुचे ।

जितकनकाचल मौलिमदोर्जित निर्भरकुञ्जर कुम्भकुचे जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १६ ॥

English Transliteration:

Kati Tata Pita Dukula Vichitra Mayukha Tiraskrita Chandra Ruche Pranata Surasura Mauli
Mani Sphura Damshula Sannakha Chandra Ruche |

Jita Kanakachala Mauli Madorjita Nirbhara Kunjara Kumbha Kuche Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 16 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! पीताम्बर से सुशोभित, चन्द्रमा की कान्ति को मात देने वाले नखों से दीप्त, सुर और असुर दोनों द्वारा मणि-चरणों में नमस्कृत — आपकी जय हो।

श्लोक १७

संस्कृत पाठ:

विजितसहस्रकरैक सहस्रकरैक सहस्रकरैकनुते कृतसुरतारक सङ्गरतारक सङ्गरतारक सूनुसुते ।
सुरथसमाधि समानसमाधि समाधिसमाधि सुजातरते । जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १७ ॥

English Transliteration:

Vijita Sahasra Karaika Sahasra Karaika Sahasra Karaika Nute Krita Sura Taraka Sangara
Taraka Sangara Taraka Sunu Sute |
Suratha Samadhi Samana Samadhi Samadhi Samadhi Sujata Rate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 17 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! सहस्र भुजाओं वाले देवताओं द्वारा पूजित, तारकासुर के नाश में संलग्न, समाधिस्थ
योद्धाओं की रक्षा करने वाली — आपकी जय हो।

श्लोक १८

संस्कृत पाठ:

पदकमलं करुणानिलये वरिवस्यति योऽनुदिनं सुशिवे अयि कमले कमलानिलये कमलानिलयः स
कथं न भवेत् ।
तव पदमेव परम्पदमित्यनुशीलयतो मम किं न शिवे जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १८ ॥

English Transliteration:

Pada Kamalam Karuna Nilaye Varivasyati Yo'nudinam Sushive Ayi Kamale Kamala Nilaye
Kamala Nilayah Sa Katham Na Bhavet |
Tava Padameva Parampadamityanushilayato Mama Kim Na Shive Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 18 ||

हिंदी अर्थ: हे करुणामयी देवी! जो भक्त प्रतिदिन आपके चरण-कमल की सेवा करता है, वह निश्चित ही
लक्ष्मी-कृपा का पात्र बनता है। आपके चरण ही परम पद हैं — आपकी जय हो।

श्लोक १९

संस्कृत पाठ:

कनकलसत्कलसिन्धुजलैरनुषिञ्चति तेगुणरङ्गभुवम् भजति स किं न
शचीकुचकुम्भतटीपरिरम्भसुखानुभवम् ।

तव चरणं शरणं करवाणि नतामरवाणि निवासि शिवम् जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ १९ ॥

English Transliteration:

Kanaka Lasat Kala Sindhu Jalaira Nushincati Te Guna Ranga Bhuvam Bhajati Sa Kim Na
Shachi Kucha Kumbha Tati Parirambha Sukha Anubhavam |
Tava Charanam Sharanam Karavani Natamara Vani Nivasi Shivam Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 19 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! जो आपके गुणों का गान करता है, उसे इंद्राणी के समान सुख की प्राप्ति होती है। मैं
आपके चरणों की शरण लेता हूँ — आपकी जय हो।

श्लोक २०

संस्कृत पाठ:

तव विमलेन्दुकुलं वदनेन्दुमलं सकलं ननु कूलयते किमु पुरुहूतपुरीन्दु मुखी सुमुखीभिरसौ
विमुखीक्रियते ।
मम तु मतं शिवनामधने भवती कृपया किमुत क्रियते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि
शैलसुते ॥ २० ॥

English Transliteration:

Tava Vimala Indu Kulam Vadana Indu Malam Sakalam Nanu Kulayate Kimu Puruhuta Puri
Indu Mukhi Sumukhir Asau Vimukhikriyate |
Mama Tu Matam Shiva Namadhane Bhavati Kripaya Kimuta Kriyate Jaya Jaya He
Mahishasura Mardini Ramyakapardini Shailasute || 20 ||

हिंदी अर्थ: हे देवी! आपका चन्द्रमा-सम मुख सम्पूर्ण संसार को शीतलता प्रदान करता है। इंद्रपुरी की
अप्सरारों भी आपकी तुलना नहीं कर सकतीं। आपकी कृपा से ही सब कुछ संभव है — आपकी जय हो।

श्लोक २१ (अंतिम श्लोक)

संस्कृत पाठ:

अयि मयि दीन दयालुतया कृपयैव त्वया भवितव्यमुमे अयि जगतो जननी कृपयासि यथासि
तथानुमितसिरते ।
यदुचितमत्र भवत्युररीकुरुतादुरुतापमपाकुरुते जय जय हे महिषासुरमर्दिनि रम्यकपर्दिनि शैलसुते
॥ २१ ॥

English Transliteration:

Ayi Mayi Dina Dayalutaya Kripayaiva Tvaya Bhavitavyam Ume Ayi Jagato Janani Kripayasi
Yathasi Tathanumita Asi Rate |

**Yad Uchitam Atra Bhavatyura Rikurutadu Rutapam Apakurute Jaya Jaya He Mahishasura
Mardini Ramyakapardini Shailasute || 21 ||**

हिंदी अर्थ: हे उमा! मैं दीन-हीन हूँ, आपको मुझ पर दया करनी ही होगी। हे जगत-जननी! आप करुणा की मूर्ति हैं। जो उचित हो, वही करें और मेरे कष्टों का निवारण करें — आपकी जय हो।

Mahishasura Mardini Stotram Telugu – తెలుగు పాఠము

Mahishasura Mardini Stotram Telugu लिपि में संपूर्ण पाठ प्रस्तुत है:

శ్లోకము ౧

అయి గిరినందిని నందితమేదిని విశ్వవినోదిని నందినుతే గిరివరవింధ్యశిరోధినివాసిని
విష్ణువిలాసిని జిష్ణునుతే ।
భగవతి హే శితికంఠకుటుంబిని భూరికుటుంబిని భూరికృతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧ ॥

శ్లోకము ౨

సురవరవర్దిణి దుర్ధరధర్దిణి దుర్ముఖమర్దిణి హర్షరతే త్రిభువనపోషిణి శంకరతోషిణి
కిల్బిషమోషిణి ఘోషరతే ।
దనుజనిరోషిణి దితిసుతరోషిణి దుర్మదశోషిణి సింధుసుతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౨ ॥

శ్లోకము ౩

అయి జగదంబ మదంబ కదంబ వనప్రియవాసిని హాసరతే శిఖరి శిరోమణి
తుంగహేమాలయ శృంగనిజాలయ మధ్యగతే ।
మధుమధురే మధుకైటభగంజిని కైటభభంజిని రాసరతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౩ ॥

శ్లోకము ౪

అయి శతఖండ విఖండితరుండ వితుండితశుండ గజాధిపతే రిపుగజగండ
విదారణచండ పరాక్రమశుండ మృగాధిపతే ।
నిజభుజదండ నిపాతితఖండ విపాతితముండ భటాధిపతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౪ ॥

శ్లోకము ౫

అయి రణదుర్మద శత్రువధోదిత దుర్ధరనిర్ధర శక్తిభృతే చతురవిచార ధురీణమహాశివ
దూతకృత ప్రమథాధిపతే ।
దురితదురీహ దురాశయదుర్మతి దానవదుత కృతాంతమతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౫ ॥

శ్లోకము ౬

అయి శరణాగత వైరివధూవర వీరవరాభయ దాయకరే త్రిభువనమస్తక శూలవిరోధి
శిరోధిక్యతామల శూలకరే ।
దుమిదుమితామర ధుందుభినాదమహోముఖరీక్యత దింమకరే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౬ ॥

శ్లోకము ౭

అయి నిజహుంకృతి మాత్రనిరాక్యత ధూమ్రవిలోచన ధూమ్రశతే సమరవిశోషిత
శోణితబీజ సముద్భవశోణిత బీజలతే ।
శివశివశుంభ నిశుంభమహాహవ తర్పితభూత పిశాచరతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౭ ॥

శ్లోకము ౮

ధనురనుషంగ రణక్షణసంగ పరిస్ఫురదంగ నటత్కటకే కనకపిశంగ పృషత్కనిషంగ
రసద్భటశృంగ హతాబటుకే ।
కృతచతురంగ బలక్షితిరంగ ఘటద్భూహురంగ రటద్భటుకే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౮ ॥

శ్లోకము ౯

సురలలనా తతతేయి తథేయి కృతాభినయోదర నృత్యరతే కృత కుకుధః కుకుతో
గడదాదికతాల కుతూహల గానరతే ।
ధుధుకుట ధుక్కుట ధింధిమిత ధ్వని ధీర మృదంగ నినాదరతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౯ ॥

శ్లోకము ౧౦

జయ జయ జవ్య జయేజయశబ్ద పరస్పృతి తత్పరవిశ్వనుతే ఝణఝణఝిఞ్జోమి
ఝింకృత నూపురశిఞ్జితమోహిత భూతపతే ।
నటిత నటార్థ నటీ నట నాయక నాటితనాట్య సుగానరతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౦ ॥

శ్లోకము ౧౧

అయి సుమనః సుమనః సుమనః సుమనః సుమనోహరకాంతియుతే శ్రితరజనీ
రజనీరజనీ రజనీరజనీ కరవక్త్రవృతే ।
సునయనవిభ్రమర భ్రమరభ్రమర భ్రమరభ్రమరాధిపతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౧ ॥

శ్లోకము ౧౨

సహితమహాహవ మల్లమతల్లిక మల్లితరల్లక మల్లరతే విరచితవల్లిక పల్లికమల్లిక
ఝిల్లికభిల్లిక వర్గవృతే ।
శితకృతపుల్ల సముల్లసితారుణ తల్లజపల్లవ సల్లలితే జయ జయ హే మహిషాసురమర్దిని
రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౨ ॥

శ్లోకము ౧౩

అవిరలగండ గలన్మదమేదుర మత్తమతంగ జరాజవతే త్రిభువనభూషణ భూతకలానిధి
రూపపయోనిధి రాజసుతే ।
అయి సుదతీజన లాలసమానస మోహన మన్మథరాజసుతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౩ ॥

శ్లోకము ౧౪

కమలదలామల కోమలకాంతి కలాకలితామల భాలలతే సకలవిలాస కలానిలయక్రమ
కేలిచలత్కల హంసకులే ।
అలికులసంకుల కువలయమండల మౌళిమిలద్భకులాళికులే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౪ ॥

శ్లోకము ౧౫

కరముళీరవ వీజితకూజిత లజ్జితకోకిల మంజుమతే మిళితపులింద మనోహరగుంజిత
రంజితశైల నికుంజగతే ।
నిజగణభూత మహాశబరీగణ సద్గుణసంభృత కేళితలే జయ జయ హే మహిషాసురమర్దిని
రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౫ ॥

శ్లోకము ౧౬

కటితటపీత దుకూలవిచిత్ర మయూఖతిరస్కృత చంద్రరుచే ప్రణతసురాసుర
మౌళిమణిస్ఫుర దంశులసన్నఖ చంద్రరుచే ।
జితకనకాచల మౌళిమదోర్జిత నిర్భరకుంజర కుంభకుచే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౬ ॥

శ్లోకము ౧౭

విజితసహస్రకరైక సహస్రకరైక సహస్రకరైకనుతే కృతసురతారక సంగరతారక
సంగరతారక సూనుసుతే ।
సురధసమాధి సమానసమాధి సమాధిసమాధి సుజాతరతే । జయ జయ హే
మహిషాసురమర్దిని రమ్యకపర్దిని శైలసుతే ॥ ౧౭ ॥

శ్లోకము ౧౮

పదకమలం కరుణానిలయే వరివన్యతి యోఽనుదినం సుశివే అయి కమలే
కమలానిలయే కమలానిలయః స కథం న భవేత్ ।

తవ పదమేవ పరంపదమిత్యనుశీలయతో మన కిం న శివే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్ధిని రమ్యకపర్ధిని శైలసుతే || ౧౮ ||

శ్లోకము ౧౯

కనకలసత్కలసింధుజలైరనుషించతి తేగుణరంగభువమ్ భజతి స కిం న
శచీకుచకుంభతటీపరిరంభసుఖానుభవమ్ |
తవ చరణం శరణం కరవాణి నతామరవాణి నివాసి శివమ్ జయ జయ హే
మహిషాసురమర్ధిని రమ్యకపర్ధిని శైలసుతే || ౧౯ ||

శ్లోకము ౨౦

తవ విమలేందుకులం వదనేందుమలం సకలం నను కూలయతే కిమ్
పురుహూతపురీందు ముఖీ సుముఖీభిరసౌ విముఖీక్రియతే |
మమ తు మతం శివనామధనే భవతీ కృపయా కిముత క్రియతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్ధిని రమ్యకపర్ధిని శైలసుతే || ౨౦ ||

శ్లోకము ౨౧

అయి మయి దీన దయాళుతయా కృపయైవ త్వయా భవితవ్యముమే అయి జగతో జననీ
కృపయాసి యథాసి తథానుమితాసిరతే |
యదుచితమత్ర భవత్యురరీకురుతాదురుతాపమపాకురుతే జయ జయ హే
మహిషాసురమర్ధిని రమ్యకపర్ధిని శైలసుతే || ౨౧ ||